



सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

साप्ताहिक सूचना पत्र



दिनांक 3.10.2026 से 9.10.2026

11 वाँ संस्करण

श्री मनोहर लाल

माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन
एवं शहरी कार्य मंत्री





विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सप्ताह की प्रमुख उपलब्धियाँ

- 1 | 260.73 गीगावाट की अधिकतम विद्युत माँग पूरी, कोई कमी दर्ज नहीं
- 2 | मनीला में 20वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भारत ने क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा को रेखांकित किया
- 3 | विद्युत सचिव ने किशनगंगा विद्युत स्टेशन का दौरा किया, एनएचपीसी गैलरी का उद्घाटन किया
- 4 | विद्युत मंत्रालय ने मूडीज़ के प्रतिनिधिमंडल के साथ विद्युत क्षेत्र में सुधारों और वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिरता पर चर्चा की
- 5 | एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की 450 मेगावाट की संपूर्ण सौर परियोजना वाणिज्यिक परिचालन में आई
- 6 | पावरग्रिड ने पीईसी चंडीगढ़ में उत्कृष्टता केंद्र और असम में परामर्श केंद्र सौंपा

साप्ताहिक सूचना पत्र

3.10.2026 से 9.10.2026



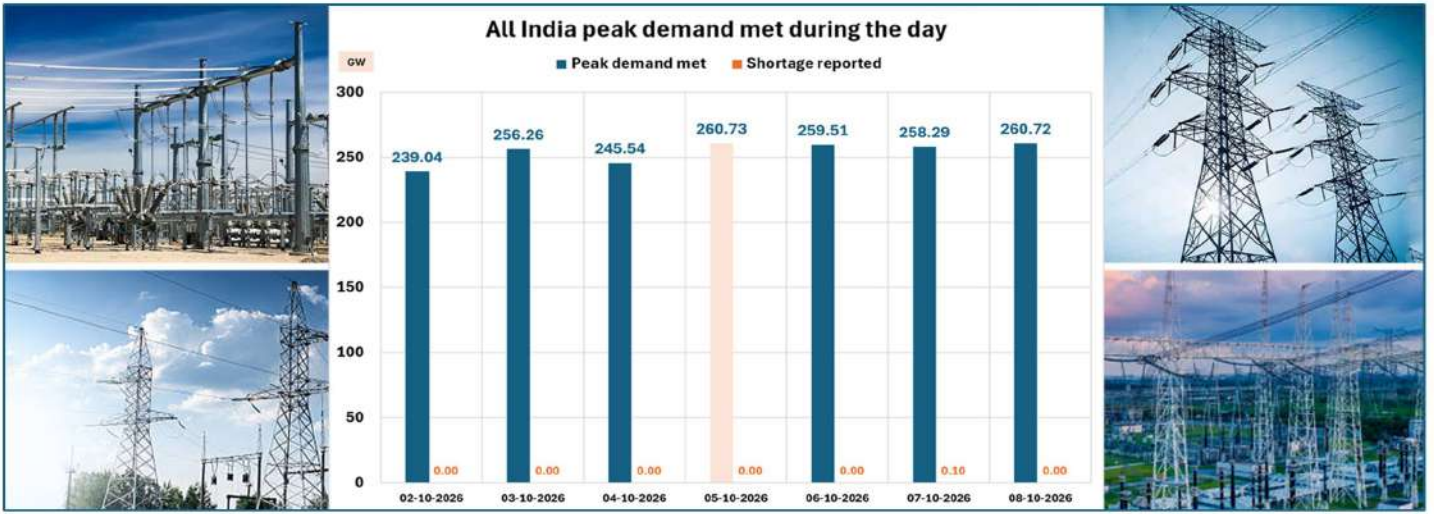
विद्युत मंत्रालय MINISTRY OF POWER

सत्यमेव जयते

8 अक्टूबर 2026

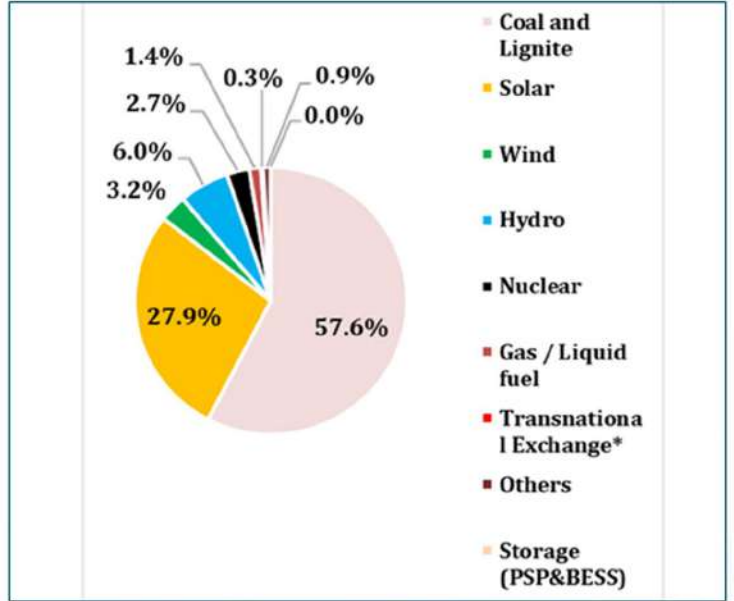
260.73 गीगावाट की अधिकतम विद्युत माँग पूरी, कोई कमी दर्ज नहीं

नीचे दिया गया चार्ट 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन पूरी की गई अधिकतम विद्युत माँग तथा दर्ज की गई विद्युत कमी को दर्शाता है।



साप्ताहिक अधिकतम माँग के समय कुल विद्युत उत्पादन

उत्पादन स्रोत	उत्पादन (गीगावाट)	कुल उत्पादन में हिस्सेदारी (%)
गैस/तरल ईंधन	3.6	1.4%
जलविद्युत	15.8	6.0%
परमाणु ऊर्जा	7.1	2.7%
कोयला एवं लिग्नाइट	152.7	57.6%
पवन ऊर्जा	8.6	3.2%
सौर ऊर्जा	74.0	27.9%
भंडारण (PSP एवं BESS)	0.0	0.0%
अन्य	2.4	0.9%
अंतरराष्ट्रीय विद्युत विनिमय	0.7	0.3%
कुल	264.9	100.0%



पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अखिल भारतीय स्तर पर पूरी की गई अधिकतम विद्युत माँग और ऊर्जा खपत में क्रमशः 24.9% तथा 24.1% की वृद्धि दर्ज की गई।

साप्ताहिक सूचना पत्र

3.10.2026 से 9.10.2026



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

8 अक्टूबर 2026

मनीला में 20वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भारत ने क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा को रेखांकित किया



विद्युत तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक ने फिलीपींस के मनीला में आयोजित 20वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा तथा सुरक्षित, सुदृढ़, किफायती और सतत ऊर्जा भविष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

भारत की एकट ईस्ट नीति और आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करते हुए उन्होंने ऊर्जा सहयोग के लिए आसियान कार्ययोजना 2026-2030 का स्वागत किया। उन्होंने आसियान-भारत कार्ययोजना 2026-2030 के अंतर्गत आसियान पावर ग्रिड, क्षेत्रीय विद्युत पारेषण, बहुपक्षीय विद्युत व्यापार और स्वच्छ ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने ग्रिड कनेक्टिविटी के क्षेत्र में 400 पेशेवरों को प्रशिक्षण देने की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 2025 की घोषणा का भी उल्लेख किया।

श्री नाइक ने भारत की 558.8 गीगावाट की स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता का उल्लेख किया, जिसमें 308 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता शामिल है, जो कुल क्षमता का 55% है। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत 50.1 लाख रूफटॉप सौर संयंत्रों की स्थापना का भी उल्लेख किया, जिनसे 59.5 लाख परिवार लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने जून 2025 में ही अपनी स्थापित क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर लिया, जो 2030 के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) लक्ष्य से पाँच वर्ष पहले है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

3.10.2026 से 9.10.2026



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

2 अक्टूबर 2026

विद्युत सचिव ने किशनगंगा विद्युत स्टेशन का दौरा किया, एनएचपीसी गैलरी का उद्घाटन किया



विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल ने एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री भूपेंद्र गुप्ता के साथ किशनगंगा विद्युत स्टेशन का दौरा किया और नवनिर्मित एनएचपीसी गैलरी का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्युत स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही, चुनौतीपूर्ण भौगोलिक और कार्य परिस्थितियों के बीच गुरेज में बाँध के निचले हिस्से में कार्यरत कर्मियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर उन्होंने "स्वच्छता ही सेवा 2026" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया और स्वच्छता शपथ समारोह में भी भाग लिया।



साप्ताहिक सूचना पत्र

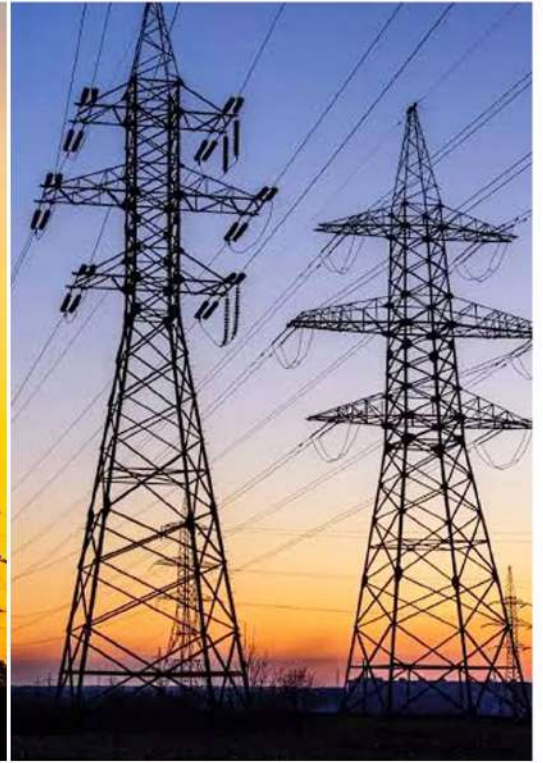
3.10.2026 से 9.10.2026



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

8 अक्टूबर 2026

विद्युत मंत्रालय ने मूडीज़ के प्रतिनिधिमंडल के साथ विद्युत क्षेत्र में सुधारों और वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिरता पर चर्चा की



वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज़ के एक प्रतिनिधिमंडल ने विद्युत मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में सरकार द्वारा विद्युत क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों, विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की वित्तीय स्थिरता और क्षेत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई नीतिगत पहलों पर चर्चा हुई।

मंत्रालय ने भुगतान अनुशासन में सुधार, बकाया राशि कम करने और क्षेत्र के वित्तीय प्रदर्शन को बेहतर बनाने में विलंबित भुगतान अधिभार (LPS) नियमों की भूमिका को रेखांकित किया। चर्चा में पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (RDSS) के माध्यम से परिचालन दक्षता में हुए सुधारों के साथ-साथ दीर्घकालिक वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर संरचनात्मक सुधारों, लागत की बेहतर वसूली और अधिक वित्तीय अनुशासन की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मंत्रालय ने प्रतिनिधिमंडल को प्रस्तावित राष्ट्रीय विद्युत नीति के बारे में भी जानकारी दी। इस नीति का उद्देश्य नियामक और संस्थागत ढाँचे को सुदृढ़ करना, दक्षता एवं प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना तथा विद्युत वितरण में सुधार सहित विद्युत क्षेत्र की उभरती चुनौतियों का समाधान करना है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

3.10.2026 से 9.10.2026



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

2 अक्टूबर 2026

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की 450 मेगावाट की संपूर्ण सौर परियोजना वाणिज्यिक परिचालन में आई



एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (NGEL) ने राजस्थान स्थित कुल 450 मेगावाट क्षमता वाले सौर ऊर्जा घटक के सातवें और अंतिम हिस्से—50 मेगावाट—के 2 अक्टूबर 2026 को 00:00 बजे से वाणिज्यिक परिचालन (COD) शुरू होने की घोषणा की। इसके साथ ही 450 मेगावाट की संपूर्ण सौर क्षमता वाणिज्यिक परिचालन में आ गई है।

इस परियोजना की वाणिज्यिक क्षमता रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (REMCL) के साथ संबद्ध है।

एनटीपीसी की NGEL में 89.01% हिस्सेदारी है, जबकि शेष हिस्सेदारी संस्थागत और खुदरा निवेशकों के पास है। इसके साथ एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित क्षमता 91,506 मेगावाट और वाणिज्यिक क्षमता 90,426 मेगावाट हो गई है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

3.10.2026 से 9.10.2026



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

5 अक्टूबर 2026

पावरग्रिड ने पीईसी चंडीगढ़ में उत्कृष्टता केंद्र और असम में परामर्श केंद्र सौंपा



पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (POWERGRID) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहल के अंतर्गत पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (PEC), चंडीगढ़ में "पावरग्रिड उत्कृष्टता केंद्र" स्थापित किया है। पावरग्रिड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वंशी रामा मोहन बुर्रा ने 5 अक्टूबर 2026 को यह केंद्र पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. राजेश कुमार भाटिया को औपचारिक रूप से सौंपा।

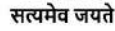
यह परियोजना पावरग्रिड और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत लागू की गई है। इस केंद्र का उद्देश्य शिक्षा एवं अनुसंधान संबंधी बुनियादी ढाँचे को सुदृढ़ करना तथा नवाचार, उन्नत अनुसंधान, कौशल विकास और उद्योग-शिक्षा जगत के सहयोग को बढ़ावा देना है।

इसके अतिरिक्त, पावरग्रिड ने अपनी CSR पहल के अंतर्गत असम के श्रीभूमि (करीमगंज) स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक परामर्श केंद्र भी सौंपा। इस सुविधा का उद्घाटन कर इसे पुलिस विभाग को औपचारिक रूप से सौंपा गया। इस अवसर पर एसएसपी श्रीमती लीना डोले और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह परामर्श केंद्र पुलिस कर्मियों तथा समुदाय के सदस्यों को परामर्श, मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग प्राप्त करने के लिए एक समर्पित स्थान उपलब्ध कराएगा।



साप्ताहिक सूचना पत्र

3.10.2026 से 9.10.2026



इस सप्ताह के प्रमुख समाचार

(4 अक्टूबर, 2026)

केंद्रीय विद्युत सचिव ने कहा- चिनाब पर हाइड्रो प्रोजेक्ट्स से पूरी होगी बिजली की मांग
अमर उजाला ब्युरो

श्रीनगर। केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने श्रीनगर के राजबाग स्थित जॉर्ज्स पार्क में आयोजित 'सेवा सेतु अभियान शिबिर' का दौरा कर केंद्र सरकार को प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सीर डाई और जलविद्युत के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास कार्य की जानकारी साझा की।



श्रीनगर में कैंप में सेवा प्रदाताओं से बात करते उर्जा सचिव। अग्रज उज्जाल

पंकज अग्रवाल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई 'प्रधानमंत्री सूक्ष्म घर मुक्त बिजली योजना' के तहत आम नागरिकों को सीधे बिजली उत्पादन से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में अब तक लगभग 50 लाख लोग इस महात्माजी योजना से जुड़ चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में भी इस योजना के लेकर लोगों का रुझान बेहद उत्साहजनक है। केंद्र शासित प्रदेश में रूपनगढ़ सेक्टर के क्षेत्र में 100 मेगावाट का पहला बड़ा मील का

पथवर हासल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना में शुरुआती गति बनने में थोड़ा समय लगता है, लेकिन अब यह योजना 'टैक-ऑफ' चरण में पहुँच चुकी है और 'ऑन' अब वाले दिनों में इसमें और तीव्र प्रगति देखने को मिलेगी।

सब्सिडी भुगतान में देरी से जुड़े सवाल पर केंद्रीय सचिव ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि नवीन एवं नवोपकरणोंय ऊर्जा मंत्रालय एवं सब्सिडी वितरण प्रणाली पूरी तरह से

डिजिटल पोर्टल आधारित है। केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली सर्विसों को मोफो लाभार्थियों के खातों में प्रारदर्शी तरीके से भेजी जा रही है। शिविर में स्थानीय स्तर पर केंद्र शासित प्रदेश की ओर से मिलने वाली टॉप-अप सर्विसों की ओर अधिक सुलब्धस्थित (स्ट्रीमलाइन) करने का सुझाव सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे मुख्य सचिव के साथ आगामी मंथना बैठक में चर्चा कर इसे और आसान बनाएंगे।

(5 अक्टूबर, 2026)

समयदान
बड़कागाँव : भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने मंडूक जलविद्युत (परमैत, एगलमसै, आर्टी एगलमसै) आधार पर न.कुल्लुवर को एनएमएल पकरी बरगडी कोयला खान परियोजना का दौरा किया।
दौरेम उन्होंने परियोजना में चल रही खान गतिविधियों तथा विभिन्न पहलुओं को समीक्षा की। एनएमएल सिक्की टाउनशिप पहुँचने पर आइस गज ने हार्मक वेड्स ई के नाम पर पीपलिंग अभियान में भाग लिया और उन्होंने पीपलिंग सोफिया ईई कार्ड



परिवहन की परिवहन गतिविधियों, जनकनी पहलवी एवं अन्य विकासकारण कार्यों से भी उत्पन्न करता। धीरे के दौरान आधार प्राप्त ने परिवहन की विभिन्न गतिविधियों एवं पहलवी की योग्यता की तथा वस्तु अधिकांश के सव्य सव्य विकास। इस अवसर पर उदाहरणाल फरती कारखानों कोसक सुखन परिवहन की परिवहन प्रणाली एवं विभिन्न पहलवी के संबंध में जानकारी दी गई। धीरे के दौरान हलसीयाग रिडल कोसक सुखन परिवहनकारणों पर एकत्रकलन मुख्यकलन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

(26 सितंबर, 2026)

यूरील के स्थापना दिवस समारोह को अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक ने किया संबोधित, कहा- सुरक्षित यूरेनियम खनन से परमाणु ऊर्जा को मजबूती

डॉ. राव बोले

आइसोडोस, संवाददाता) यूनिवर्सल कोरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूकोर) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. के आनंद राव ने कहा कि देश में करीब 60 लाख से यूनिवर्सल का मुहूर्त तयिके से चलाना किया जा रहा है। यूनिवर्सल और रैंडमेशन को लेकर लोगों के बीच मौजूद भ्रम एवं नकारात्मक धारणाओं को दूर करने के लिए कंपनी की ओर से लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ये रसिदों को नए पहाड़ रियल प्राइम ऑडिटोरियम में यूकोर के स्थापना के डायमंड जुबली वर्ष पर आयोजित समारोह में संयोजक कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीपीएल के सीएम प्रमोद चंद बिरला

- उत्पादन बढ़ाने को मौजूदा खदानों के विस्तार पर चल रहा है काम
- राजस्थान व आंध्र प्रदेश में नई खदानें शुरू करने की योजनाएं बनीं



स्थापना दिवस समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करती सीमा जैन । •

सिन्डिकेट (यूनीन) को माहंगवर्ग युनियन हो। डॉ. राय ने कहा कि देश में उदासीन यूरियम स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन के लिए बेहतर माहंगवर्ग है। यह भारत के परमाणु कार्यक्रम की आधारशिला है। वर्ष 2047 तक विकासशील भारत के लिये के तहत 100

प्रदेश में नई यूरैनियम खदानें शुरू करने की योजनाएं भी बनाई गई हैं। यूरैनियम के नए स्रोत तलाशने की दिशा में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के कॉपर टेलीस से यूरैनियम निकालने की संभावनाओं पर भी काम किया जा रहा है।

सौमसर्जी ने कहा कि युरेनियम उत्पन्न में श्वेतोती में देश को इसका जमाव को मनुष्यो मिलेगा। परन्तु स्वच्छ ऊर्जा को हिसोसोदी कवने के माह-माह पर 2070 तक भात के बसल नीती कवने उत्पन्न के तक्ष को बसल कवने को मयद मिलेगा। समागोह में डीओडी को और संयोजन, अशुद्धि साधन निधि पांसेय, संयुक्त साधन (आईडर) अशुद्धि निधि, युक्ति के सौमसर्जी डॉ. कवन अन्दर, तर्कन को निदेशक जल्लेन सा सनेत जेड अशुद्धि उपनिष्ठ रो हल्लकक्रम के दीपन यूसील को स्थाना ने से लेकन वर्तमान समय तक को उपलब्धि को अशुद्धि युक्ति को जेनान और पर चर्चा को मयद

स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में कंपनी का अहम कदम



आद्यश्री। तमिऴनाडु के कवचयाम में भारत के स्वदेशी परमाणु शिखर पोखराघाट की पहली कस्तुरी मछली को भारतीय धनानि और डॉमिनियन के दशकरी के अनुसूचक एवं विकास प्रयत्नो का परिणाम माना जा रहा है। रिपटर् के पूरी तरह संचालन में आने के बाद भारत कावचिय प्रकृत क्षेत्र रिपटर् तकनीकी क्षेत्र में दुनिया के मुनिदा देशों में शामिल होगा। परमाणु खजाने को कवच-कवच विलुत उद्योग के मलवर्गों में शामिल माना जाता है। ऐसे में स्वदेशी परमाणु तकनीक भारत की ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूती देने के साथ 2070 तक देश-जीवी प्रत्यक्ष और लक्ष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति माना जा रहा है।

जादूगोड़ा-नरवा में ट्रैकलेस
माइनिंग का पहला टायल

वृत्तिल के सीएमडी डॉ. कंचन आनंद राव ने कहा कि खनन में नई तकनीक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ट्रैफलेस मार्शिन का पहला ट्रायल जादगोडा और नरवा पहाड़ में शुरू किया गया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से खनन कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

यूरेनियम की नई खदानों की बढ़ी उम्मीद

मुख्य अतिथि सीमा जैन ने कहा कि देश में युरेनियम संसाधनों की खोज को लेकर यूसील और एएम्डी लगातार काम कर रहे हैं। डॉ. होमी जहांगीर भाभा के सपनों को साकार करने की दिशा में यूसील महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में युरेनियम की नई खदानों के खनने की संभावनाएं बढ़ रही हैं।



सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्रालय MINISTRY OF **POWER**



**Office of
Manohar Lal**
Hon'ble Union Minister of Housing & Urban Affairs and Power

